पाठ ५ पकौड़ी

Scan me

काव्यांशों की व्याख्या

1. दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी।

छुन छुन छुन छुन
तेल में नाची,
प्लेट में आ
शरमाई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी।

शब्दार्थ : शरमाना-लज्ज़ा का अनुभव करना।

प्रसंग – प्रस्तुत पांक्तयाँ हमारी पाठ्यपुस्तक रिमझिम, भाग-1 में संकलित कविता 'पकौड़ी' से ली गई हैं। इस कविता के रचयिता सर्वेश्वरदयाल सक्सेना हैं। इसमें कवि ने गरमा-गरम पकौड़ी के लक्षणों का बखान किया है।

व्याख्या : कविता की इन पंक्तियों में कवि कहता है कि पकौड़ी दौड़ी-दौड़ी आती है तथा छुन छुन करके तेल में नाचने लगती है। जब पकौड़ी खाने के लिए प्लेट में आती है तो शरमा जाती है। कवि कहता है कि पकौड़ी दौड़ी-दौड़ी सी आती है।

2. हाथ से उछली
मुँह में पहुँची,
पेट में जा
घबराई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी।
मेरे मन को
भाई पकौड़ी।

शब्दार्थ : भाई-अच्छी लगी।

प्रसंग : पूर्ववत।

व्याख्या : उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहता है कि पकौड़ी हाथ से उछलकर सीधे मुँह में पहुँचती है तथा वहाँ से पेट में जा पहुँचती है। पेट में जाकर पकौड़ी घबरा जाती है। कवि कहता है कि पकौड़ी उसके मन को खूब भाती है।

प्रश्न-अभ्यास

क्या भाता है? क्या नहीं भाता?

उतर :

चीज़े	मजे से खायेंगे	खाना पड़ेगा	बिलकुल नहीं खायेंगे
जलेबी	✓		
पकौड़ी	✓		
बैंगन		✓	
चुस्की	✓		
करेला			✓
घीया (लौकी)		✓	
आलू	✓		
आम	✓		

क्या सुना?

प्रश्न 1. खाली जगह में आवाजें लिखो।
उत्तर :-

भोपू:-..पाँ-पाँ.

सीटी:-...पीं-पीं...

बस:-..पौं-पौं...

रोता हुआ बच्चा:- ऊँवा

प्रश्न 2. तुम्हें जो सवारी सबसे अच्छी लगती है, उसका चित्र बनाओ।
उत्तर :-

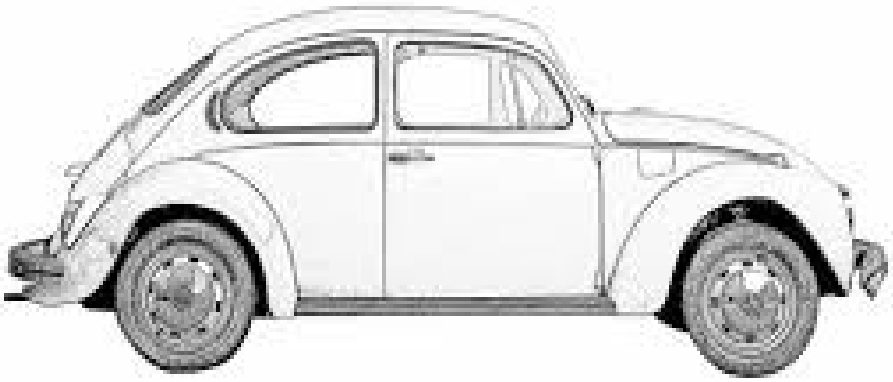

1 पहिया, 2 पहिये।

बोलो किसके कितने पहिये?

ठेला	दो पहिये	**ट्रक**	छह पहिये
तांगा	दो पहिये	**बस**	छह पहिये
स्कूटर	दो पहिये	**रिक्शा**	तीन पहिये
बैल गाडी	दो पहिये	**कार**	चार पहिये
साइकिल	दो पहिये	**ऑटो-रिक्शा**	तीन पहिये
पानी का जहाज	पहिये नहीं होते	**हवाई जहाज**	नौ पहिये

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com